विद्यालय प्रमुख की भूमिका विषय वस्तु पर आधारित

माड्यूल 2023

शीर्षक

विद्यायलीन टीम बिल्डिंग एवं नेतृत्व में विद्यालय प्रमुख की भूमिका

National Institute of Educational Planning and Administration (Deemed to be University)
National Centre for School Leadership

विद्यालय नेतृत्व अकादमी

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद , छत्तीसगढ़ ,रायपुर -492007

संरक्षण एवं मार्गदर्शन

श्री राजेश सिंह राणा (आई.ए.एस.)

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छत्तीसगढ़ ,रायपुर

डॉ. योगेश शिवहरे

अतिरिक्त संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छत्तीसगढ़ ,रायपुर

श्रीमती पुष्पा किसपोट्टा

उपसंचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छत्तीसगढ़ ,रायपुर

एवं

प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कोरबा

समन्वयन

श्री डी. दर्शन

नोडल आधिकारी

स्कूल लीडरशिप

एस.सी.ई.आर.टी.छत्तीसगढ़ ,रायपुर

माड्यूल लेखन समन्वयन

श्री गौरव शर्मा

लेखक

एल.आर.कर्ष

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुदुरमाल, जिला कोरबा(छ.ग.)

विद्यालय प्रमुख की भूमिका विषय वस्तु पर आधारित

माड्यूल 2023

(I) शीर्षक -: विद्यालीन टीम बिल्डिंग एवं नेतृत्व में विद्यालय प्रमुख की भूमिका

(II) भूमिका -: टीम बिल्डिंग का स्वक्छ वोतावरण तैयार करना जिससे सहयोगियों के बिच मानवीय संबंधो को प्रोत्साहित किया जा सके

- टीम बिल्डिंग निर्माण एवं नेतृत्व में संस्था प्रमुख का एक कमांडर के रूप में भूमिका

(III) उद्देश्य -: (1) मानवीय संबंधो को बेहतर बनाकर शैक्षिक वातावरण विकसित करना

(2) वर्क फोर्स (कार्य शक्ति) को सक्रिय कर नई दिशा प्रदान करना

(3) टीम भावना विकसित कर अपनी उत्तरदायित्व का निर्वहन करना

(4) टीम बिल्डिंग में गुणवत्ता सुधार हेतु उच्च कार्यालय के साथ साझा विजन तैयार कर कार्ययोजना बनाना

(5) विद्यालयीन टीम में अधिगम प्रतिफल और गुणवत्ता विकसित करने हेतु अकादमिक नेतृत्व विकसित करना

(IV) की वर्ड -: टीम वर्क, सामंजस्य, सामुदायिक सहभागिता, सकारात्मक सोच, मेंटर, स्त्रोत

(V) प्रस्तावना -:

एक और एक 11 यह यूँ ही नहीं कहा जाता है , जब एक को एक का साथ मिल जाये तो कामयाबी पक्की है | यह सभी कहावतें एक टीम की शक्ति को बताती है , और टीम की शक्ति टीम बिल्डिंग से ही है, यानि बिना टीम वर्क के टीम किसी काम की नहीं रहती है | इसमें कोई दो राय नहीं, की आप अकेले भी बहुत कुछ कर सकते हैं, लेकिन जब उन चुंनिंदा लोगो का साथ मिल जाता है , जो आपके विज़न को अपना मान लेते है , आपके साथ मिलकर काम करते हो तो निश्चित ही बहुत कम समय में आप कामयाब हो जाते हैं |

यदि आप गाड़ी में ऐसे ड्राइवर के साथ बैठे हो, जिस पर आप को भरोसा नहीं है तो आप पूरे सफ़र का आनंद नहीं ले सकते, गंतव्य स्थल तक पहुचने तक आप चिंतित रहेंगे | टीम बिल्डिंग की कायावाद ठीक इसी तरह आपने सहकर्मियों पर आपसी भरोसा एवं सामंजस्य स्थापित कर मजबूत टीम बनाना होना चाहिए न के उनके बीच संशय या शंका को स्थान देना होता है | विद्यालयीन संबंधो को बढाने, शिक्षको, कर्मचारियों, समुदायों और छात्रों की भूमिका को परिभाषित करने के लिए विभिन्न प्रकार के गतिविधियों के लिए एक सामूहिक शब्द टीम बिल्डिंग है | जिसमे सभी सहयोगी सदस्य कार्य में शामिल होते है और दक्षता सुधार एवं सफल कार्य संपन्न करने के लिए डिजाइन तैयार करते है |

टीम बिल्डिंग निर्माण का उद्देश्य विद्यालय समूह के भीतर समस्याओ को उजागर करना, सामने लाकर उसका समाधान खोजना होता है जिससे विद्यालय एवं विद्यालय से जुड़े टीम मेम्बर्स का व्यक्तिगत पर्यवेक्षी रेटिंग में सुधार हो सके | यदि स्वक्छ और स्वस्थ टीम बिल्डिंग का निर्माण होता है तो मनोवैज्ञानिको की राय है कि " ऐसी टीम के सदस्य कम छुट्टी लेते है, जिसका लाभ अंततः विद्यालय एवं विद्यालय परिवेश को ही मिलता है"

इस प्रकार का परिवेश निर्माण के लिए विद्यालय में संस्था प्रमुख एक जवाबदेही व्यक्ति होता है जो टीम बिल्डिंग मेम्बर्स को नेतृत्व प्रदान करता है | सफलता की कहानी इसी के इर्द – गिर्द घूमता है | विद्यालय का सफल संचालन एक शानदार भवनों या भौतिक सुख – सुविधाओं की उपलब्धता से ही संभव नहीं होता बल्कि एक उत्कृष्ट विद्यालय इन सभी सुविधाओं के साथ –

साथ प्रभावशाली निपूर्ण संस्था प्रमुख , शिक्षक , कर्मचारी , अनुशासित छात्र एवं परिवेश के कारण बनता है | लेकिन संस्था प्रमुख की भूमिका विद्यालय में ठीक उसी प्रकार से होता है जिस प्रकार सेना में कमांडर , झूले में धुरी (अक्ष) का होता है | वास्तव में संस्था प्रमुख पूरे विद्यालय परिवेश का केन्द्र बिंदु होता है जिसका जुडाव टीम बिल्डिंग मेम्बर्स के सभी सदस्यों के साथ प्रत्यक्ष रूप से होता है |

(V I) मुख्या सामग्री -:

विद्यालय की वृत्तिक विकास और बेहतर सञ्चालन के लिए कुशल नेतृत्वकर्ता के साथ - साथ एक बेहतर टीम टीम प्रबंधन की आवश्यकता होती है जिससे पूरे विदयालीन सदस्य, योजना आयोग के सदस्य, आदि टीम बेल्डिंग का हिस्सा होकर एक जुटता से कार्य कर सकेगे

यदि नेतृत्वकर्ता के रूप में संस्था प्रमुख टीम बेल्डिंग से जुड़े सभी के सदस्यों के व्यक्तिगत विशेष गुण की पहचान करके उसी के अनुरूप विदयालीन गतिविधियों मे उनके को सौपा जाये और टीम , से तथा संस्था प्रमुख का विशेष रूप से सहयोग एवं प्रोत्साहन मिलता रहे तो कार्य का सुचारू रूप से सम्पन्न होगा |

गतिविधि 1.1 :-

यदि आपके अपने विद्यालय मे टीम बिल्डिंग का निर्माण किये होंगे तो आपको विदयालीन स्टॉफ समुदाय और छात्रों के व्यक्तिगत विशेष गुण, दक्षता कौशल के बारे जानकारी होगा उसी के अनुरूप आप उनको दायित्वों को सौपते होंगे |

आइये टीम बिल्डिंग के सदस्यों का उसके कौशल के अनुरूप सूचीबद्ध कर दायित्व सौपने का प्रयास करें |

क्रमांक	टीम बिल्डिंग के सदस्य का नाम	कौशल	टीम में सदस्यों की संख्या	कार्य	कार्य का विवरण	समीक्षा	टीप

विद्यालय में शैक्षणिक वातावरण तैयार करने एवं परिवेश को विद्यालय से जोड़कर रखने में संस्था प्रमुख , शिक्षक के साथ - साथ जन प्रतिनिधि , पालक एवं बालक का विशेष योगदान रहता है |

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए परिवेश , परिस्थितियाँ , (6.2.2 NEP 2020) भौगोलिक कारक , एतिहासिक पृष्ठभूमि (6.2.3 NEP 2020), समतामूलक एवं समावेशी शिक्षा प्रभावी बनाना (6.1 NEP 2020) सामाजिक , आर्थिक , सांस्कृतिक एवं भौगोलिक पहचान (6.2.NEP 2020) इन पृष्ठ भूमियों की पहचान कर उसके अनुरूप कार्य योजना तैयार करना अति आवश्यक होता है |

गतिविधि 1:2 :-

शिक्षण पालक – बालक विद्यालय का अभिन्न अंग होते हैं | बालक को विद्यालय से जोड़े रखने तथा DROP-OUT बच्चों की संख्या कम करने तथा सभी स्तरों पर शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच (3.1 NEP 2020 , 3.2 NEP 2020) बनाये रखने हेतु प्रयास करना होगा | प्रभावी और पर्याप्त बुनयादी ढांचा प्रदान करने हेतु प्री-प्रायमरी , प्रायमरी से लेकर कक्षा 12 वीं तक सभी स्तरों के बच्चों को विद्यालय से जोड़ना होगा | इसके लिए विद्यालय में शिक्षक – पालक संघ, शिक्षक – छात्र संघ , SMC, SMDC, संगठन आदि की गठन अति आवश्यक है |

आप संस्था प्रमुख होने के नाते पलकों को विद्यालय से जोड़ने के आपके प्रयास और उसकी प्रगति पर चर्चा एवं समीक्षा करें –

क्र.	कक्षा	कक्षा शिक्षक का नाम	दर्ज पालको की संख्या	बैठक में उपस्थित पलकों की संख्या	बैठक का एजेंडा	विवरण	समीक्षा	टीप

हाई/हायरसेकण्ड्री संस्था प्रमुख SCHOOL COMPLEX / CLUSTER का प्रभारी एवं नेतृत्वकर्ता होता है अतः टीम बिल्डिंग में SCHOOL COPLEX / CLUSTER जोड़ने से संसाधन का साझा उपयोग (7, 7.7, 7.8 NEP 2020) से सभी स्तर के बच्चों को लाभ मिलेगा | आर्थिक और सामाजिक समता के साथ- साथ प्रत्येक बच्चे तक उसके सिखने के अनुरूप दक्ष शिक्षक भी उपलब्धता होगी |

टीम बिल्डिंग में छात्रों की गतिविधि और भागीदारी (12.9 NEP 2020) बहुत अहम् होती है | छात्र हमारे शिक्षा प्रणाली में प्रमुख हितधारक है | उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण – अधिगम प्रक्रियाओं के लिए जीवंत कैम्पस आवश्यक है , विद्यालय स्तर में संस्था प्रमुख के नेतृत्व एवं संरक्षण में खेल क्लब , इको क्लब , संस्कृति / कला क्लब , विज्ञान गतिविधि क्लब , बाल सदन , युवा संसद, सामुदायिक सेवा परियोजना हेतु NSS, NCC, SCOUT GUIDES, स्वच्छता टीम, आदि का बिल्डिंग तयार कर उसे कुशल मार्गदर्शन देते हुए विद्यालय में व्यवस्थापक या वालेंटियर की टीम आप तैयार रख सकते हैं |

गतिविधि 1.3 :-

आपके विद्यालय परिवेश या गाँव , शहर में आपातकालीन स्थितियां जैसे गन्दगी का फैलाव , आग लग जाना , महामारी का फैलाव , कुपोषण आदि समस्या आ जाती है तो आप विद्यालय प्रमुख एवं नेतृत्वकर्ता होने के नाते आपकी भूमिका होगी की इन विषम परिस्थितियों को अपने टीम बिल्डिंग के साथ किस प्रकार नियंत्रित करेंगे ?

प्रश्न 01 :- आपके विद्यालय में कौन – कौन से छात्र संगठन गठित है ?

प्रश्न 02 :- छात्र संगठन के साथ विद्यालयीन स्टाफ का कैसा व्यवहार है ?

प्रश्न 03 :- नेतृत्वकर्ता होने के नाते छात्र संगठन को लेकर अपनी भूमिका एवं उत्तरदायित्वों पर प्रकाश डालिए |

टीम नेतृत्व की जवाबदारी एवं सकरात्मक सोंच

संस्था प्रमुख कुशल प्रशासक एवं नेतृत्वाकर्ता होने के नाते आपके हितधारक (शिक्षक , कर्मचारी एवं छात्र) के प्रति आपकी टीम नेतृत्व की जिम्मेदारी बढ़ जाती है | आप विद्यालय के निति निर्धारक , मेंटर , उत्प्रेरक , पथ – प्रदर्शक और समालोचक है | आपको टीम मेम्बर्स के साथ मिलाकर लक्ष्य (साप्ताहिक , मासिक , अर्धवार्षिक और वार्षिक) निर्धारित करके एजेंडा तैयार करना होता है और क्रियान्वयन के साथ – साथ समय – समय पर समीक्षा करना , सामने आने वाली संभावित समस्या और विसंगति का पहचान कर उसके समाधान के लिए प्रयास करना होता है अन्यथा आपके विद्यालय टीम बिल्डिंग निर्माण अपने आप में एक PHOTO FRAME जैसा होगा जिसमे टीम मेम्बर्स एक किरदार के अतिरिक्त कुछ भी नहीं होगा |

टीम – बिल्डिंग का सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव अंतिम में टीम –बिल्डिंग के सदस्यों का विद्यालय में ठहराव के रूप में निष्कर्ष निकला जा सकता है |

संस्था प्रमुख के आयाम :-

विद्यालयीन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षक , समुदाय सहिंत सभी आयामों के साथ सामंजस्य स्थापित करना होता है | आइये इन आयामों की भूमिका को समझने का प्रयास करें |

चित्र क्रमांक :- संस्था प्रमुख के आयाम

केस स्टडी -01

"श्री राऊल को टीम बिल्डिंग के निर्माण करने में कठिनाई महसूस हो रही है"

श्री राऊल पूर्वी दिल्ली में एक पब्लिक विद्यालय के संस्था प्रमुख है बचपन से ही वह दूसरों की सहायता करते रहे है जो एक शिक्षक के रूप में प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित हुए है वे अपने विद्यालय संचालन पद्धति का वर्णन इस तरह करते है :-

(1) विद्यालय में अध्यापन कार्य समूह के गतिविधि पर आधारित हो |

(2) मैं चाहता हूँ कि सभी छात्रों को कक्षा में भाग लेने अवसर मिले और उसके चिंतन को प्रभावी रूप से प्रोत्साहित करने के लिए प्रश्न पूछने के गतिविधि का उपयोग करें |

(3) मैं चाहता हूँ कि शिक्षक और छात्रों के बीच अवधारणाओ पर विचार मंथन हो |

(4) सारे स्टॉफ कक्षा में रोल प्ले ,संवाद और नाटक का उपयोग कर टीम बिल्डिंग के लिए प्रोत्साहित हो |

(5) शिक्षक अपनी अवधारणाओं को सभी स्टॉफ के साथ साझा करें ताकि सकारात्मक संवाद बना रहे |

(6) मेरे प्रत्येक शिक्षक ICT के माध्यमों से नवाचार को स्वीकार करें |

किन्तु राउल को विद्यालय प्रमुख बनने के बाद अपनी स्टॉफ के कुछ सदस्यों के साथ व्यवहार करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है | उन्हें नये शिक्षको के पढ़ाने और उत्पादक पाठ प्रदान करने के उनकी क्षमता के बारे में आश्वस्त है लेकिन वरिष्ठ शिक्षकों के साथ व्यवहार करने में कठिनाई महसूस हो रही है | अधिकांश शिक्षक राउल के प्रयासों का स्वागत करते है लेकिन तीन वरिष्ठ शिक्षकों के साथ उल्लेखनीय प्रगति नहीं कर पा रहे है, वे उनके कुछ सिद्धांतों से अपरिचित है |

गतिविधि :-

प्रश्न 01 :- श्री राउल के प्रति आपका अभिमत क्या है ?

प्रश्न 02 :- आप इस परिवर्तन प्रक्रिया का सामना कैसे करेंगे ?

प्रश्न 03 :- तीन अनुभवी शिक्षकों को अपने टीमबिल्डिंग में कैसे शामिल करेंगे ?

- टीम बिल्डिंग की आवश्यकता क्यों :-

  शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने ,न्यायपूर्ण एवं न्यायसंगत समाज को विकसित करने के लिए मूलभूत आवश्यकता है , गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ,सामाजिक न्याय ,समानता ,वैज्ञानिक उन्नति ,राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के सन्दर्भ में भारत प्रगति पर है | जिसका आधारभूत केंद्र विद्यालय है जिसका महत्वपूर्ण दायित्व संस्था प्रमुख के ऊपर होता है|

  विद्यालय में संस्था प्रमुख के पास सहकर्मियों के बीच विचारों की भिन्नता को सही दिशा में सामजस्य स्थापित करना अतिआवश्यक होता है यदि इस दिशा में संस्था प्रमुख द्वारा समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो विद्यालय प्रबंधन की कड़ी बिखर जाएगी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकास में बाधा आ सकती है |

- टीम बिल्डिंग से निम्न उद्देश्यों की प्राप्ति होती है :-

  (1) लक्ष्यों का समायोजन :-

  विद्यालय, हितधारकों के लिए प्रमुख केंद्र है ,जहाँ विभिन्न लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहता है साथ ही टीम मेम्बर्स के द्वारा अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों तथा संस्थागत लक्ष्यों के बीच सामंजस्य किया जाता है | समायोजन के लिए टीम मेम्बर्स द्वारा लक्ष्यों की पूर्ति हेतु कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य प्राप्ति के तरीकों की पहचान करना और टीम की प्रगति पर चर्चा करना होता है |

  (2) उत्तरदायित्व पर समझ विकसित करना :-

  विद्यालय में टीम बिल्डिंग के सभी सदस्यों की भूमिका और कर्तव्यों की समझ विकसित करना होता है ताकि सभी सदस्यों के समेकित प्रयास से विद्यालय उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित हो सके |

  (3) समस्याओं का सामूहिक ज्ञान :-

  टीम मेम्बर्स का लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली समस्याओं का सामूहिक ज्ञान होना चाहिए|

  संस्था प्रमुख यदि इन समस्याओं से अवगत रहे तो टीम को पहले से ही मार्गदर्शन (Back support) कर सकता है |

(4) अंतर्वैक्तिक संबंध :-

पारस्परिक संघर्ष के बदले पारस्परिक सहयोग टीम को मजबूत बनाता है, लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर करता है और कार्ययोजना को अधिक प्रभावी ढंग से संपन्न कराता है | विचारों में खुलापन संवाद और संचार को सहज एवं प्रभावी बनाता है |

सारांश:-

टीम बिल्डिंग विद्यालयीन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक कड़ी है। संस्था प्रमुख इस टीम का नेतृत्वकर्ता होता है जो एक अनुकूल वातावरण तैयार करते हुए सही दिशा एवं संरक्षण प्रदान करते है ।टीम सदस्य सीखने सिखाने युक्त माहौल तैयार करते हुए आपस में सामंजस्य से काम करते हैं सभी सदस्य व्यक्तिगत लक्ष्य प्राप्त करते हुए निर्धारित टीम लक्ष्य पर सहयोग प्रदान करते है।हितों में टकराव नहीं होने के कारण आनंदपूर्वक कार्य करते हुए विद्यालय विकास में अहम योगदान देते है।

टीम बिल्डिंग के सभी सदस्य का अंतिम लक्ष्य यदि विद्यालय हित हो तो टीम द्वारा तैयार की गई विजन पर काम करने में कोई कठिनाई नहीं होती है। संस्था प्रमुख इस टीम के सहयोग से विद्यालय विकास की आधारशिला रखते हुए हितधारकों के व्यक्तित्व निर्माण के लिए सतत प्रयास करते है

इस प्रकार कहा जा सकता है कि " टीम बिल्डिंग विद्यालय की वह मजबूत आधार स्तंभ है जिससे संस्था प्रमुख एक उत्कृष्ट विद्यालय का निर्माण करता है "

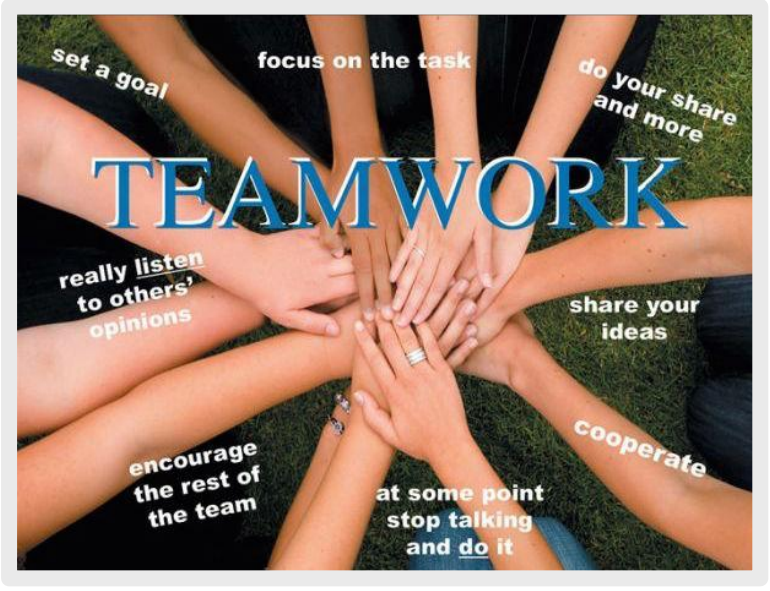

सन्दर्भ :-

1. NEP 2020
2. https://youtu.be/I1J2Z_Fgado
3. https://youtu.be/FiSXq0M6v4E

धन्यवाद